संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -247 सोमवार ,08 जुलाई 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

घटती-घटना अखबार में स्वास्थ्य मंत्री के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री संजय मरकाम व उनके भतीजे प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल की कमियों की छप रही खबर को रोकने के लिए स्वास्थ्य मंत्री ने छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग के आयुक्त सहसंचालक आइपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव को किया आगे ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री विश्वभूषण हरिचंदन से हस्तक्षेप की मांग...

क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

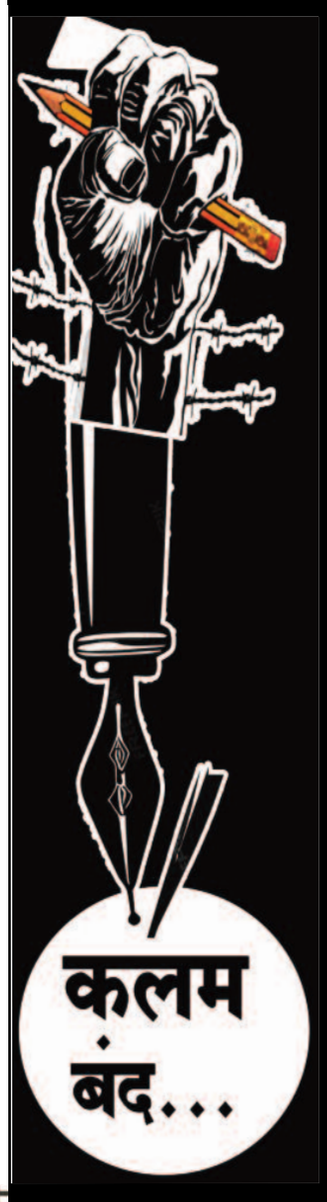

कलम बंद...का आठवां दिन

?

कलम बंद...का आठवां दिन

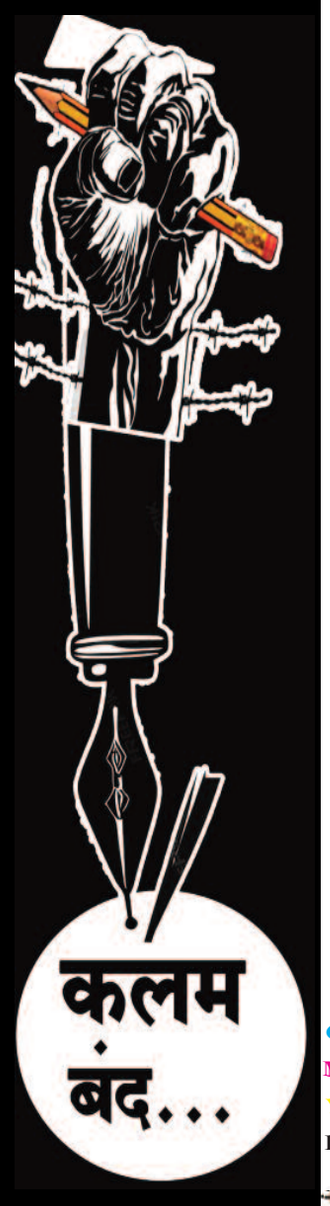

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

संपादकीय

एक तरफ स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे हैं काम!

» कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष... जब उन्हें सच लिखने पर मिलेगी सजा?

» दैनिक घटती-घटना के सत्य आधारित समाचारों से खुन्नस हो स्वास्थ्य मंत्री ने बंद करवाया अखबार का शासकीय विज्ञापन...

» अखबार ने स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे और उनके विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी को लेकर चलाई थी खबर...

» भतीजे हैं प्रभारी डीपीएम सूरजपुर,उन पर भ्रष्टाचार के हैं आरोप,अहर्ता फर्जी होने का है आरोप...

» विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी का दिव्यांग प्रमाण-पत्र है फर्जी यह है आरोप,फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र पर कर रहे हैं काम...

रायपुर/अंबिकापुर,07 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ने हाल ही में एक ऐसा बयान दे दिया है जिस बयान को उनके असल व्यवहार से अलग माना जा रहा है और यह माना जा रहा है की वह ऐसा बयान कैसे दे सकते हैं जबकि वह खुद ऐसे मामलों में अलग विचार रखते हैं। मामला सूरजपुर में पत्रकारों से साथ अधिकारी के द्वारा मारपीट की है जिस मामले में स्वास्थ्य मंत्री ने यह बयान दिया है कि पत्रकारों को डरने की जरूरत नहीं है और उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम का जिक्र करते हुए कहा कि विष्णु देव सरकार में पत्रकारों को डरने की जरूरत नहीं है मामले में जांच के बाद दोषी के विरुद्ध कार्यवाही जरूर होगी।

बता दें कि स्वास्थ्य मंत्री शाला प्रवेश उत्सव में शामिल होने मनेंद्रगढ़ पहुंचे थे तब उनसे सूरजपुर की घटना पर पत्रकारों ने सवाल पूछा था और तब उन्होंने यह जवाब दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने सूरजपुर की घटना को लेकर यह बयान तो दे दिया कि पत्रकारों को डरने की जरूरत नहीं और उन्हें पूरा संरक्षण मिलेगा,लेकिन अब उनका यह बयान उनके हालिया व्यवहार के अनुसार झूठा साबित हो रहा है क्योंकि पत्रकारों को सुरक्षा की गारंटी देने से पहले वह खुद यह भूल गए कि इसी विष्णुदेव साय सरकार में स्वास्थ्य विभाग का भ्रष्टाचार, स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे प्रभारी डीपीएम सूरजपुर का भ्रष्टाचार और उनकी फर्जी डिग्री का मामला जिसकी शिकायत हुई है,वहीं उनके ही कर्तव्यस्थ अधिकारी जिसका दिव्यांग प्रमाण-पत्र फर्जी है। ऐसा आरोप है के मामलों को उजागर करने पर दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र को कुचलने उसकी निष्पक्षता और उसके प्रकाशन को रोकने वह खुद प्रयास कर रहे हैं और इसके लिए वह प्रदेश के जनसंपर्क कार्यालय के अधिकारी को समाने कर रहे हैं और समाचार-पत्र का शासकीय विज्ञापन बंद करवाकर उसे प्रभावित और उसे डराने की कोशिश कर रहे हैं। दैनिक घटती-घटना के साथ स्वास्थ्य मंत्री का व्यवहार इस बयान जिसमें वह पत्रकारों को सुरक्षा देने की बात कर रहे हैं से बिलकुल उलट है,वहीं इस मामले में विष्णु देव साय सरकार भी मौन है और एक तरह से मामला भ्रष्टाचार और फर्जी प्रमाण-पत्रों के पक्ष में खड़े होने का समझ में आ रहा है।

भाजपा सरकार भ्रष्टाचार के मामले में मौन क्यों साधे है?

प्रदेश में भाजपा की सरकार सुशासन के नाम पर वापसी कर सकी वहीं मोदी गारंटी जिसमे भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्यवाही भी प्रमुख है,के कारण ही वापसी और आसान हुई, प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकार में भ्रष्टाचार को भाजपा ने चुनाव में प्रचार का आधार बनाया था,वहीं जिसे जनता ने भी सही माना था और जनता ने परिवर्तन का इरादा कर प्रदेश में भाजपा को सत्ता की बागडोर सौंप दी है,लेकिन अब वही भाजपा की सरकार भ्रष्टाचार के मामले में मौन साधे हुए है। भ्रष्टाचारियों के पक्ष में वह समाचार-पत्रों को भी कुचलने-दबाने के प्रयास में लगी हुई है,जो देखने में सामने आ रहा है वहीं स्वास्थ्य विभाग के मामले में यह ज्यादा स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है जिसमें स्वास्थ्य मंत्री खुद भ्रष्टाचार मामले में मौन नजर आ रहे हैं और कुछ मामलों में वह उसके उजागर किए जाने पर उग्र भी हो रहे हैं। नाराज भी हो रहे हैं क्योंकि मामला उनके भतीजे से जुड़ा है,व उनके विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी से जुड़ा हुआ है। स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे के मामले में तो जांच दो विषयों की होनी चाहिए जिसकी शिकायत भी हुई है,मांग भी हुई है जिसमें एक उनकी फर्जी डिग्री का मामला है। वहीं दूसरा उनके नर्सिंग कॉलेज और उनके द्वारा कांग्रेस शासनकाल में कोरिया जिले में प्रभारी डीपीएम रहते हुए किए गए भ्रष्टाचार से जुड़ा हुआ है वहीं स्वास्थ्य मंत्री के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी जो राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं, की नौकरी फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर लगी है। यह भी एक आरोप है और जिसकी भी जांच की मांग हुई है और इस मामले में भी स्वास्थ्य मंत्री मौन हैं साथ ही इन विषयों पर निष्पक्षता के साथ साथ ही नियम अनुसार कार्यवाही की मांग करने पर और समाचार प्रकाशित करने पर स्वास्थ्य मंत्री समाचार-पत्र को ही बंद कराने में जुट चुके हैं।

स्वास्थ्य मंत्री सुशासन के नाम पर झूठ बोल रहे हैं...

स्वास्थ्य मंत्री भले ही पत्रकारों को आश्वासन दे रहे हैं कि प्रदेश कि विष्णु देव साय सरकार पत्रकारों को पूरी सुरक्षा देगी लेकिन उनके खुद के व्यवहार और एक समाचार-पत्र के मामले में उनका निर्देश जो उन्होंने जनसंपर्क अधिकारी को दिया है जिसके अंतर्गत समाचार-पत्र का विज्ञापन बाधित किया गया है...कहा जा सकता है कि स्वास्थ्य मंत्री सुशासन के नाम पर झूठ बोल रहे हैं और वह खुद जब पत्रकारों और समाचार-पत्र के विरूद्ध जाकर भ्रष्टाचार के पक्ष में खड़े हैं,तो कैसे वह सुरक्षा का विश्वास दिला सकते हैं। वैसे प्रदेश में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर स्वास्थ्य मंत्री खुलकर समाचार-पत्र के खिलाफ सामने आ चुके हैं वह यह जता चुके हैं कि वह भ्रष्टाचार को लेकर खासकर उनके विभाग उनके भतीजे और उनके विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के मामले में वह मौन ही रहने वाले हैं कार्यवाही या जांच के विषय में वहीं यदि कोई इस विषय पर तथ्य सामने लायेगा स्वास्थ्य मंत्री प्रभाव का इस्तेमाल करके उस ही नेस्तनाबूत करने में जुट जायेगें और वह भ्रष्टाचार के बचाव में नजर आएंगे।

क्या स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे और उनके विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी हैं?

वैसे प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे और उनके विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी हैं जिनके लिए... जिन्हे बचाने के लिए वह किसी का भी मुंह नहीं देखने वाले चाहे वह प्रदेश की जनता हो उनके क्षेत्र की जनता हो या फिर सरकार की छवि की बात क्यों न हो। स्वास्थ्य मंत्री हर हाल में प्रदेश के बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मामले से ऊपर अपने भतीजे को रखने वाले हैं वह विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी को बचाने भी कुछ भी कर गुजरने तैयार हैं भले ही बीच देश के प्रधानमंत्री की ही वह बात झूठी साबित हो जाए जिसमे वह भ्रष्टाचार को मिटाने की बात करते हैं। स्वास्थ्य मंत्री कुल मिलाकर देश के प्रधानमंत्री के भी निर्देशों के विपरीत काम कर रहे हैं और वह पत्रकारों को झूठा आश्वासन दे रहे हैं की उन्हे कोई खतरा नहीं डरने की जरूरत नहीं।

स्वास्थ्य मामले में अब तक के सबसे असफल मंत्री साबित हुए हैं स्वास्थ्य मंत्री

प्रदेश में स्वास्थ्य मंत्री का कार्यकाल यदि देखा जाए तो स्वास्थ्य मामले में अब तक के सबसे असफल मंत्री साबित हुए हैं स्वास्थ्य मंत्री। प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग का क्या हाल है उनके कार्यकाल में इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके ही पड़ोस के जिले या यह कहें स्वास्थ्य सुविधा मामले में गृह जिले में सिविल सर्जन शासकीय अस्पताल में मरीज से इलाज का शुल्क मांगता पकड़ा गया जिसे मामला उजागर होने पर निलंबित किया गया। बता दें कि यदि प्रदेश में हर जगह का हाल देखा जाए तो ऐसा ही है। नवीन एमसीबी जिले में जहां के खुद स्वास्थ्य मंत्री हैं वहां के सीएमएचओ को लेकर भी आए दिन खबर प्रकाशित होती रहती है कैसे वह निजी नर्सिंग होम में ही व्यस्त रहते हैं,वहीं शासकीय अस्पताल में भी इलाज का वह शुल्क ले लेते हैं,यह बात भी किसी से छिपी नहीं है लेकिन कार्यवाही उनके विरुद्ध भी शून्य है आज तक। स्वास्थ्य मंत्री को ऊर्जावान मानकर प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी दी तो जरूर गई थी लेकिन वह उसे निभा पाने में असमर्थ साबित हो रहे हैं जो देखने में सामने आ रहा है,और स्वास्थ्य व्यवस्था दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है।

भ्रष्ट अधिकारियों-कर्मचारियों से जो पूर्व सरकार में भी सक्रिय थे... अब भी सक्रिय हैं...के चंगुल से मुक्त करा पाने में असफल...

स्वास्थ्य मंत्री से जहां उम्मीद थी कि वह प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को दलालों भ्रष्ट अधिकारियों-कर्मचारियों से जो पूर्व सरकार में भी सक्रिय थे...अब भी सक्रिय हैं ...के चंगुल से मुक्त कराएंगे। वह जांच उपरांत ऐसे लोगों पर कार्यवाही हो ऐसी अनुशंसा करेंगे लेकिन वह इसके विपरित उन्हीं भ्रष्ट व्यवस्था से जुड़े लोगों के पक्ष में खड़े हो गए हैं और वह अब उनके विरुद्ध हो गए हैं जो भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग कर रहे हैं। अब स्वास्थ्य मंत्री से तो भ्रष्टाचार मामले में उम्मीद खत्म हो गई है कार्यवाही की। वहीं प्रदेश के मुखिया इस मामले में आगे क्या अपना रूख सामने रखने वाले हैं यह देखने वाली बात होगी।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या प्रकाशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर,07 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

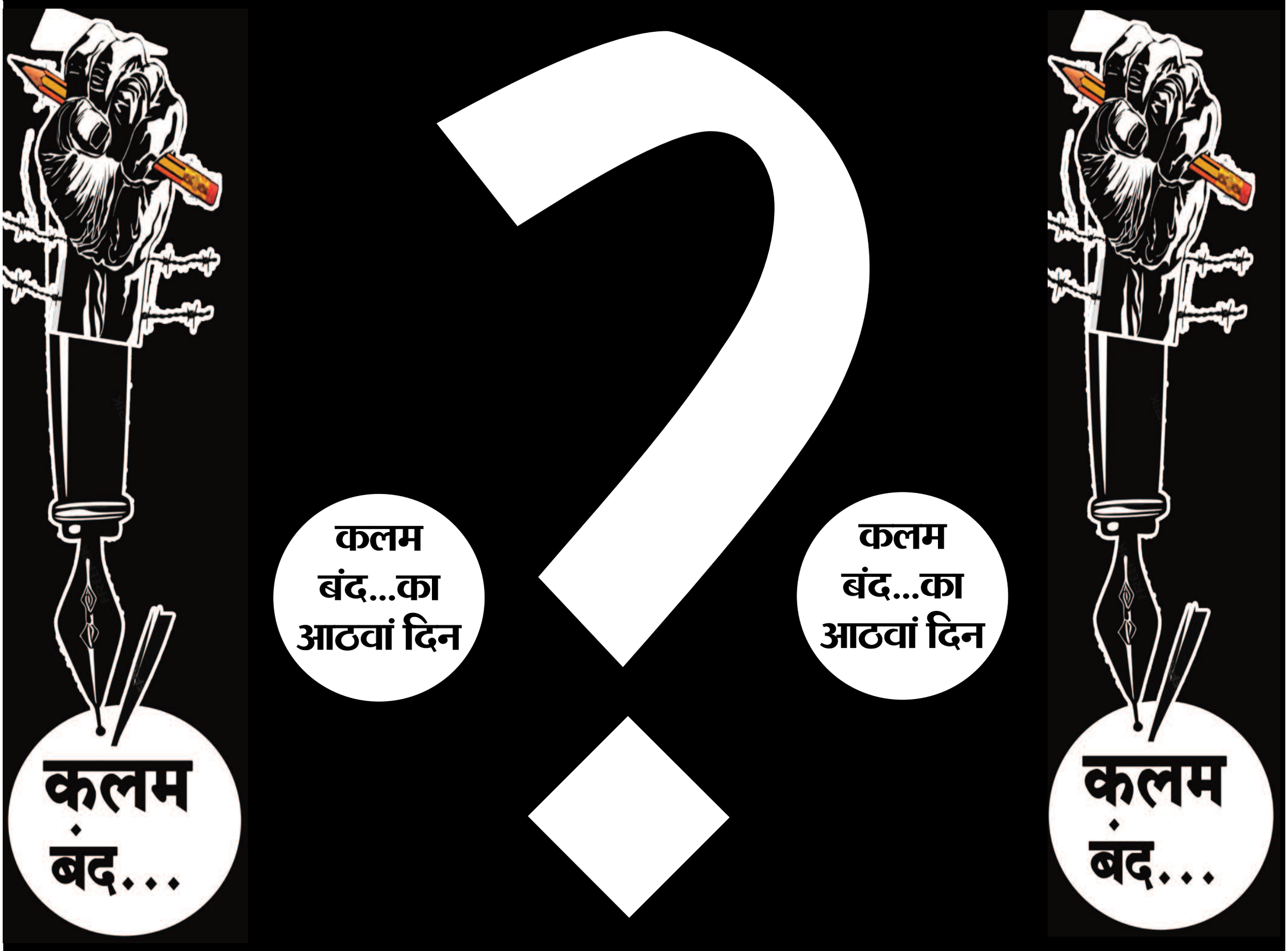

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,07 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

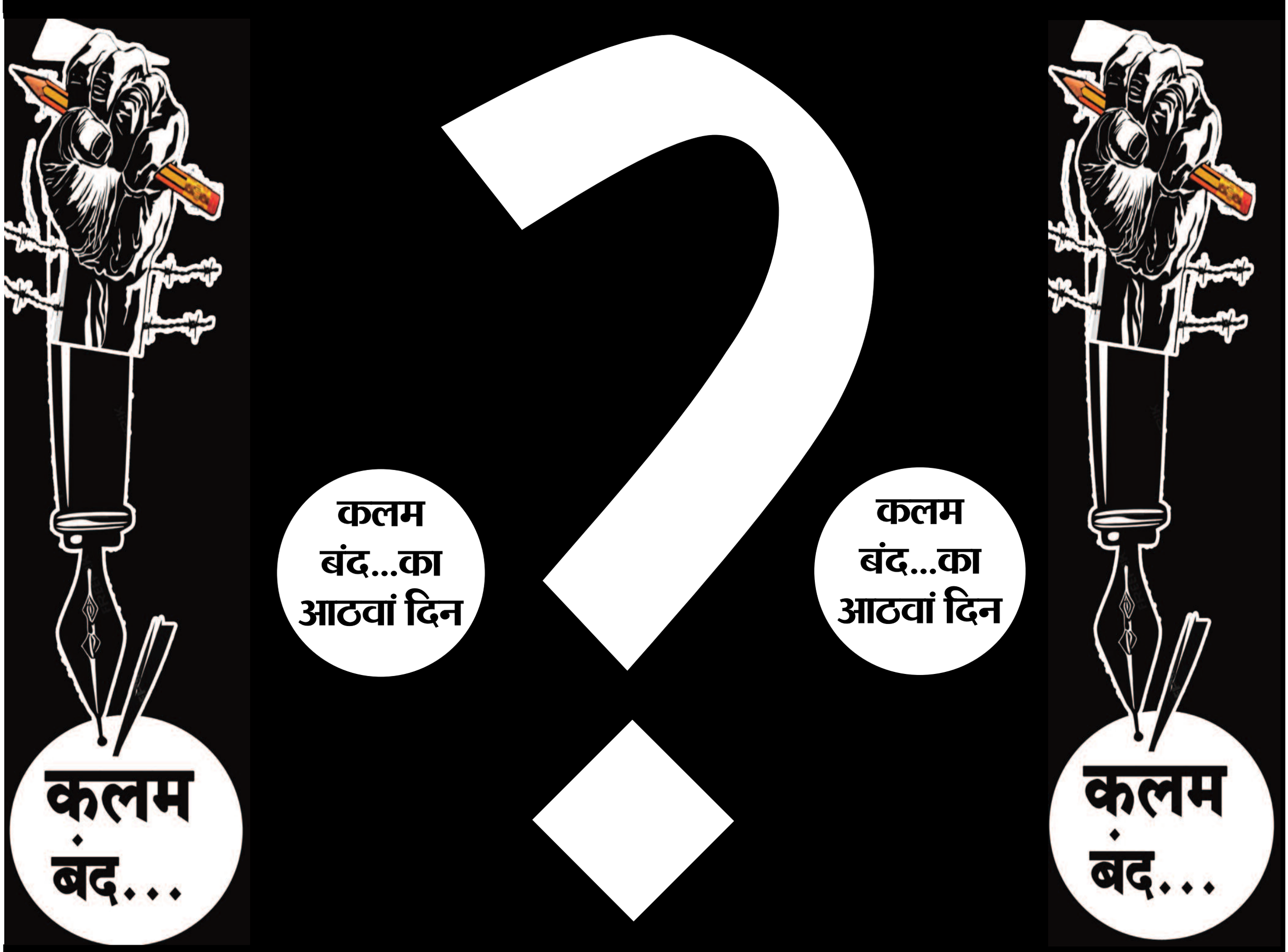

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है ?

अम्बिकापुर,07 जुलाई 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

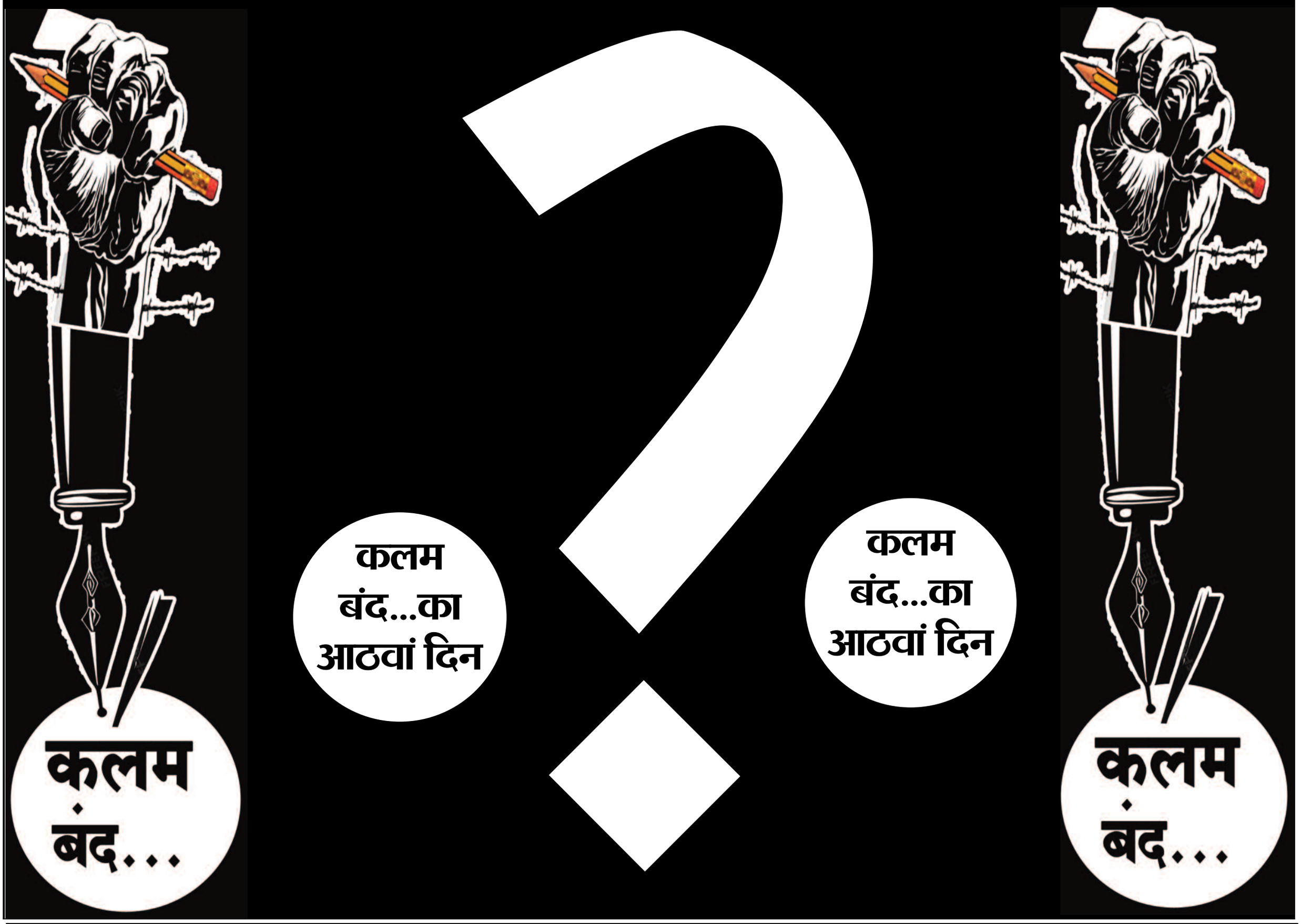

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर,07 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

अभय ने एशियाई डबल्स स्क्वॉश चैम्पियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीता

जोहोर,07 जुलाई 2024। प्रतिभाशाली स्क्वाश खिलाड़ी अभय सिंह ने रविवार को यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई डबल्स स्क्वाश चैम्पियनशिप में दोहरे खिताब हासिल किये। एशियाई खेलों में टीम चैम्पियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता अभय ने वेलावन सेंथिलकुमार के साथ मिलकर पुरुष युगल खिताब जीता। इसके बाद अभय ने अनुभवी जोशना चिनप्पा के साथ मिलकर मिश्रित युगल फाइनल में फतह हासिल की। अभय और वेलावन की शीर्ष वरीय जोड़ी ने पुरुष युगल फाइनल में मलेशिया के ओंग साई हुंग और सियाफिक कमाल की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को 11-4, 11-5 से शिकस्त दी।

इसके बाद अभय और जोशना की तीसरी वरीय जोड़ी ने टोंग सेज विंग और टांग मिंग होंग की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को मिश्रित युगल फाइनल में 11-8, 10-11, 11-5 से हराया। वेलावन ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''मैं अभय के लिए बहुत खुश हूं जिन्होंने इस हफ्ते इतना शानदार प्रदर्शन किया। हमें पूरा भरोसा था और हम बेहतर होते रहे। '' इस साल पद्म श्री पुरस्कार पाने वाली जोशना ने कहा, ''भारत के लिए फिर से खेलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि मैं घुटने की सर्जरी के कारण पिछले पांच महीनों से खेल से दूर थी। युगल से वापसी करना अच्छा मौका था ताकि मैं पीएसए टूर पर वापसी कर सकूं।

उरूग्वे ने पेनल्टी शूट आउट में ब्राजील को 4-2 से हराया

» कोपा अमेरिका के सेमीफाइनल में बनाई जगह...

लास वेगास,07 जुलाई 2024। मैनुअल उगार्टे ने शूटआउट के पांचवें राउंड में विजयी गोल किया और उरुग्वे ने स्कोररहित ड्रॉ खेलने के बाद पेनल्टी किक पर ब्राजील को 4-2 से हराकर कोपा अमेरिका सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

दोनों टीमों ने टूर्नामेंट में सर्वाधिक 41 फाउल किए और एक रोमांचक, उतार-चढ़ाव भरे मैच में गोल पर केवल 4 शॉट लगाए, जिसमें वह प्रभावशाली फुटबॉल नहीं दिखा जिसके लिए दोनों दक्षिण अमेरिकी टीमें जानी जाती हैं।उरुग्वे के नाहितन नेंडेज को 74वें मिनट में रोड्रीगो पर खतरनाक टैकल के लिए रेड कार्ड के बाद मैदान से बाहर भेज दिया गया, लेकिन ब्राजील अगले 21 मिनट में अपने 10 खिलाड़ियों वाले प्रतिद्वंद्वी को नहीं भेद सका। उरुग्वे ने शूटआउट के तीन राउंड के बाद 3-1 की बढ़त बनाई जब गोलकीपर सर्जियो रोशेट ने डेर मिलिटो को रोका और डगलस लुइज़ ने पोस्ट पर शॉट मारा. एलिसन बेकर ने चौथे राउंड में जोस मारा जिमनेज़ के शॉट को बचाकर ब्राजील की उम्मीदों को ज़िंदा रखा, लेकिन उगार्टे ने क्लिनर को गोल में बदल दिया।चार कोपा अमेरिका क्वार्टरफ़ाइनल मैचों में तीसरे पेनल्टी शूटआउट के बाद, उरुग्वे चार्लोट में कोलंबिया से सेमीफ़ाइनल में भिड़ने के लिए आगे बढ़ा. कोलंबिया ने पनामा को 5-0 से हराया, जिससे उसका लगातार 27 मैचों तक अपराजित रहने का सिलसिला जारी रहा. गत चैंपियन अर्जेंटीना का सामना दूसरे सेमीफ़ाइनल में मंगलवार को ईस्ट रदरफ़ोर्ड, न्यू जर्सी में कनाडा से होगा। फ़ाइनल 14 जुलाई को मियामी गार्डन्स में होगा।

पनामा को 5-0 से रौंदकर कोलंबिया कोपा अमेरिका के सेमीफाइनल में

ग्लेनडेल,07 जुलाई 2024। कोलंबिया ने दबदबा बनाते हुए कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में यहां पनामा को 5-0 से रौंदकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस जीत के साथ कोलंबिया ने अपने अजेय अभियान को 27 मैच तक पहुंचा दिया। जॉन कोरडोवा ने आठवें मिनट में जेम्स रोड्रिग्ज की कॉर्नर किक पर हैडर से गोल दागकर कोलंबिया को 1-0 की बढ़त दिलाई। रोड्रिग्ज ने 10 मिनट के भीतर पेनल्टी किक पर एक और गोल दागकर अपनी टीम को 2-0 से आगे किया। लुई डियाज ने रोड्रिग्ज के पास पर गोल दागकर कोलंबिया की बढ़त 3-0 की। मध्यांतर तक कोलंबिया की टीम 3-0 से आगे थी। दूसरे हाफ में 70वें मिनट में रिचर्ड रायोस और फिर मिगुएल बोर्जा ने इंजरी टाइम में पेनल्टी किक पर गोल करके कोलंबिया की 5-0 से जीत सुनिश्चित की। कोलंबिया बुधवार को सेमीफइनल में उरूग्वे से भिड़ेगा जिसने ब्राजील को पेनल्टी शूट आउट में 4-2 से हराया।

महिला टी 20 एशिया कप में भारत की अगुआई करेंगी हरमनप्रीत कौर

मुंबई,07 जुलाई 2024। हरमनप्रीत कौर 19 जुलाई से श्रीलंका में होने वाले महिला टी 20 एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुआई करेंगी। हरमनप्रीत अभी चेन्नई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही टी20 श्रृंखला में खेल रही हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में शानदार फॉर्म में चल रही सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को उप-कप्तान बनाया गया है। मुख्य टीम की 15 खिलाड़ियों के अलावा श्वेता सहरावत, साइका इशाक, तनुजा कंवर और मेघना सिंह को रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर शामिल किया गया है। भारत को टूर्नामेंट के ग्रूप ए में रखा गया है जिसमें चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान (19 जुलाई), संयुक्त अरब अमीरात (21 जुलाई) और नेपाल (23 जुलाई) शामिल हैं। सभी मैच रंगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले जायेंगे। भारत गत विजेता है और उसने रिकॉर्ड सात बार प्रतियोगिता जीती है।

भारतीय टीम : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), पूजा वस्त्रकार, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, दयालन हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल और सजना सजीवन।

रिजर्व: श्वेता सहरावत, साइका इशाक, तनुजा कंवर और मेघना सिंह।

जय शाह ने कर दिया सबसे बड़ा ऐलान

» इस खिलाड़ी की कप्तानी में जीतेंगे चैंपियंस ट्रॉफी और डब्ल्यूटीसी फाइनल

नई दिल्ली,07 जुलाई 2024। भारतीय टीम ने रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीता था। तब फाइनल में भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका को 7 रनों से हराया था। अब अगला आईसीसी टूर्नामेंट चैंपियंस ट्रॉफी है और उसके बाद वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मैच खेला जाएगा। टीम इंडिया की निगाहें इन 2 खिताब को जीतने पर होंगी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन पाकिस्तान की धरती पर होना है। लेकिन अभी तक ये कन्फर्म नहीं हो पाया है कि टीम इंडिया चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाएगी या नहीं। अब इससे पहले ही बीसीसीआई सेक्रेटरी जय शाह ने बड़ी बात कही है। मैंने राजकोट में बोला था कि जून 2024 में हम कप भी जीतेंगे और दिल भी जीतेंगे और भारत का झंडा गाड़ेंगे। हमारे कप्तान ने झंडा गाड़ दिया। इस जीत में आखिरी पांच ओवर का बहुत बड़ा योगदान था। इसके लिए मैं सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और हार्दिक पांड्या का बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं। इस जीत के बाद अगला पड़ाव है चैंपियंस ट्रॉफी और डब्ल्यूटीसी फाइनल। मुझे पूरा भरोसा है कि रोहित शर्मा की कप्तानी में हम इन दोनों टूर्नामेंट्स में चैंपियन बनेंगे। फिर से आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिन्द वन्दे मातरम।

जलता हुआ सिर,खून से सनी लाशें और हिंसा चरम पर, किल में 1 घंटे 55 मिनट की ट्रेन यात्रा भारी न पड़ जाए

करण जौहर की फिल्म किल को भारत की सबसे हिंसक फिल्म माना जा रहा है। इसका प्रीमियर पहले टोरंटो फिल्म महोत्सव में किया गया था। हालांकि, इस फिल्म को करण जौहर के प्रोडक्शन की अब तक की सबसे अनोखी फिल्म कहा जा रहा है। जैसे ही किल सिनेमाघरों में रिलीज हुई, उम्मीद की जा रही थी कि इसकी शुरुआत धीमी रहेगी और हुआ भी वही लेकिन फिल्म देखने वाले शायद अभी इसे भाप नहीं पाए हैं। फिल्म के लिए नाइट शोज में भी थिएटर में खचाखच भीड़ देखने को मिल रही है लेकिन शोज ना के बराबर हैं। यही हाल लापता लेडीज के साथ भी हुआ था और बाद में जब फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई तो

धमाल मचा गई।किल के साथ करण जौहर ने कुछ बहुत अलग करने की कोशिश की है और किया भी है। जो लोग अब तक फिल्म देखने नहीं गए हैं और उन्हें केवल सोशल मीडिया पर देखकर ही सारा ज्ञान बटोरना है तो वो इस बात को नामुमकिन समझें क्योंकि ये तो नहीं होने वाला है। फिल्म के बारे में जो बात कही-सुनी जा रही है वो बिल्कुल सच है। आंखों देखा हाल बता रही हूं। 1 घंटे 55 मिनट तक सिनेमाघर में बैठे रहने के बाद आप किस मनोस्थिति के साथ बाहर निकलेंगे, इस बात की कोई गारंटी नहीं है।

किल देखकर दिमाग किल होने की गारंटी है

फिल्म देखने के दौरान, आप अपना दिल थामकर बैठिएगा क्योंकि ऐसे-ऐसे सीन्स सामने आएंगे कि जी मचलने लगेगा, हाथ कांपने लगेंगे, मन बेचैन हो जाएगा, सिर फटने लगेगा, उल्टी सी आएगी और शायद एक बार को उठकर थिएटर से जाने का भी मन करे क्योंकि फिल्म हद से ज्यादा हिंसक है। कभी किसी का सिर आग में जल रहा है तो कभी किसी के पेट से लेकर सिर और आंख तक में ऐसे चाकू मारा जा रहा है जैसे बोर्ड पर कोई बच्चा निशाना लगाता है। कभी आपको हथियार सीने से आर-पार निकलते दिखेंगे तो कभी पूरे शरीर पर 10 से 20 बार एक ही जगह पर जख्म दिया जाएगा।

किल की मंझी हुई कास्ट

फिल्म में नए कलाकारों को लिया गया है लेकिन उन्हें देखकर ऐसा बिल्कुल भी नहीं लग रहा कि उन्होंने पहली बार पर्दे पर कुछ ऐसा किया है। फिल्म में राघव जुयाल, लक्ष्य और तान्या मानिकतला लीड रोल्स में हैं। इसके अलावा, अद्रिजा सिन्हा भी इसमें दिखी हैं। राघव निगेटिव रोल में जरूर हैं लेकिन लक्ष्य उनके आगे पानी भरते नजर आ रहे हैं। राघव का यूपी वाला एक्सेंट और दादागिरी देखकर लग ही नहीं रहा है कि उन्होंने इसे पहली बार किया है।

खतरों के खिलाड़ी 14 फीस इस बार कौन है सबसे महंगा कंटेस्टेंट ?

शालीन, आसिम या अभिषेक! हर हफ्ते मिल रहे 20 लाख

रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 14वें सीजन के साथ पर्दा उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है। आगामी शो का प्रोमो बाहर आ गया है और फैंस शो में अपने पसंदीदा सेलेब्स को देखने के लिए इंतजार कर रहे हैं। इस बात को लेकर काफी चर्चा है कि इस बार लोकप्रिय सेलेब्स को कितनी रकम दी जाएगी। आपको हम यहां यही बताने वाले हैं कि शो में इस खतरों के खिलाड़ी 14 के सबसे फेमस कंटेस्टेंट्स में से एक अभिषेक कुमार शो में फैंस का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। फैंस उन्हें शो में देखने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनका अच्छा खासा वेतन प्रति सप्ताह लगभग 8-10 लाख रुपये होगा। अभिषेक बिग बॉस 17 के फर्स्ट रनरअप भी हैं। शालीन भनोट भी केकेके 14 का हिस्सा हैं। वह बिग बॉस 16 के फाइनलिस्ट भी थे। बताया जा रहा है कि शालीन भनोट को 15 लाख रुपये हर हफ्ते ले रहे हैं।

सुमोना को मिल रही 7 लाख रुपये प्रति हफ्ते

कॉमेडी नाइट्स विद कपिल में अपने कॉमेडी के लिए मशहूर सुमोना ने अब स्टंट आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 14 में काम किया है। टीवी स्टार को कथित तौर पर प्रति सप्ताह लगभग 5-7 लाख रुपये का भुगतान किया जाता है। वह दर्शकों को अपना साहसी पक्ष दिखाने के लिए तैयार हैं। सूत्रों के मुताबिक, शिल्पा शिंदे को 7 लाख रुपये का चेक मिलेगा। बिग बॉस 11 और झलक दिखला जा जैसे टीवी शो के लिए जानी जाने वाली शिल्पा शिंदे एक बार फिर अपने स्टंट दिखाने के लिए तैयार हैं। फैंस उन्हें शो में देखने के लिए काफी एक्साइटेड हैं।

आसिम हैं सबसे महंगे कंटेस्टेंट

बिग बॉस 13 के फर्स्ट रनर-अप के रूप में जाने जाने वाले आसिम रियाज स्टंट रियलिटी शो- बिग बॉस 13 में अपने डर का सामना करने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट्स का कहना है कि उन्हें 15-20 लाख रुपये की भारी रकम मिलने वाली है और वो ही हैं जो इस बार सबसे ज्यादा फीस ले रहे हैं।

गशमीर और निमरित की फीस

गशमीर महाजनी को टीवी शो इमली के लिए पसंद किया जाता है, केकेके 14 में भी दिखाई देंगे। सूत्रों के मुताबिक, उन्हें 12 लाख रुपये मिल रहे हैं। वहीं, छोटी सरदारनी के लिए मशहूर निमरित खतरों के खिलाड़ी 14 के नए सीजन का हिस्सा हैं। उन्हें लगभग 8-10 लाख रुपये का भुगतान किया जा रहा है।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0..... अ- 6 /2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण महमुदा बेगम आ0 स्व0 एकराम हुसैन उम्र-70 वर्ष, निवासी - देवीगंज वार्ड(खुटेनपारा)अंबिकापुर , जिला-सरगुजा छ0ग0 वगै0 ने इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं कि आवेदिकागण तथा अनावेदक क्र01 व 2 की माता अनावेदक क्र. 3 व 6 की सास तथा अनावेदक क्र.4,5 एवं अना0 क्र.7 से12 तक की दादी कुन्तुम बीबी पत्नि स्व0 एकराम(वर्तमान में अनावेदकगण-लाल अली आ0 स्व 0मो0 एकराम हुसैन वगै)के स्वामित्व व अधिपत्य की शीट नंबर- 02 मोहल्ला खुटेनपारा नगर अंबिकापुर स्थित नजूल भू-खण्ड क्रमांक 345/2 ,346/2 ,346/3 रकबा क्रमशः 0.00 1/4, 0.06 ,0.01 3/4 एकड भूमि है। उक्त वादभूखण्ड के नजूल अभिलेखों में स्व0कुन्तुम बीबी पत्नि स्व0 एकराम के स्थान पर अनावेदकगणों के साथ संयुक्त रूप से आवेदिकागण का नाम फौती नामांतरण दर्ज करने बाबत् आवेदिकागण द्वारा आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भू-खण्ड के संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 26/07/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/07/2024 को मेरे न्यायालीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अंबिकापुर-2,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

रा0प्र0क्र0/ अ- 6-अ /2023-24

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आशीष कुमार गुप्ता आ0 स्व0 सुरेश गुप्ता निवासी देवीगंज रोड अंबिकापुर , तहसील अंबिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा छ0ग0भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115 116 के के अर्तगत आवेदन श्रीमान् अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अंबिकापुर के सक्षम प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वत्व एवं अधिपत्य की ग्राम भिट्ठीखुर्द स्थित भूमि खसरा नं0 99/1,486/2 रकबा क्रमशः0.417, 0.364 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेख में आवेदक की दादी लक्ष्मनिया पति रामकुमार का नाम दर्ज है जबकि आवेदक की दादी लक्ष्मनिया एवं आवेदक के पिता सुरेश केशरवानी की मृत्यु हो चुकी है। आवेदक उक्त भूमि पर काबिज काश्त है। उक्त भूमि के बी-1में आवेदक की जाति त्रुटिवश अनुसूचित जाति अंकित हो गया है जबकि आवेदक की जाति केशरवानी है जो सामान्य वर्ग के अंर्तगत आता है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु निवेदन किया गया हैं।जो जाँच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में अधिकारी(रा0)महोदय के समक्ष, प्रस्तुत किया गया हैं। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ हैं। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हेा तो पेशी दिनांक 07/08,2024 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नायब तहसीलदार अंबिकापुर-2

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर, जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

ईश्तहार

राजस्व प्रकरण क्र.327/ Q/ब-121/ 2023-24

आवेदक /आवेदिका का नाम नोहर साय पिता/पति हुकुम साय जाति पण्डो निवासी जोबगा (हरकराडांड)ग्राम-जोबगा प0ह0नं014 थाना-सूरजपुर तहसील व सूरजपुर जिला-सूरजपुर छ0ग0 ने अपने बाबा-मनबोध पिता/पति विरूख पण्डो जन्म/ मृत्यु दिनांक 28/06/1992 का जन्म/ मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया हैं। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 10/07/2024 दिन बुधवार को समय 11:00 बजे न्यायालय में अथवा अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नही किया जावेगा।

तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। यह इश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/06/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील — तहसीलदार सूरजपुर जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

सुनील शेट्टी के हमशक्ल ने अजय देवगन सलमान खान के हमशक्लों को चटाई धूल

एक्टिंग देख लोग बोले- ये अन्ना 24 घंटे चौकन्ना

सोशल मीडिया एक ऐसी गुफा बन चुका है, जहां टैलेंट का खजाना छिपा है। बस आप अकाउंट दर अकाउंट खंगालते जाइए और आपको कई दबे छुपे टैलेंट नजर आने लगेंगे। खासतौर से ऐसे कलाकार खूब दिखेंगे, जो अपने फेवरेट बॉलीवुड सितारों की तरह दिखते हैं और उन्हीं की मिमिक्री भी करते हैं। सोशल मीडिया पर इन्हें पसंद करने वालों की कोई कमी नहीं है। जहां अब सुनील शेट्टी के हमशक्ल लोगों का खूब ध्यान खींच रहे हैं। जो कभी सुनील शेट्टी का डायलॉग दोहराते हैं तो कभी उनके स्टाइल में गाने गाते हैं। क्या आप ने इंस्टाग्राम पर की इस सुनील शेट्टी से मुलाकात।

सुनील शेट्टी के हमशक्ल को देखना चाहते हैं तो आपको इंस्टाग्राम पर सर्च करना होगा एमडी इस्लाम। इस अकाउंट जो शख्स नजर आएगा, वही सुनील शेट्टी का हमशक्ल भी है. एमडी इस्लाम पर सुनील शेट्टी की खुमारी किस कदर हावी है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने सुनील शेट्टी के साथ मुलाकात भी की. और जो फोटो क्लिक करवाई वो उनके अकाउंट में पहले नंबर पर पिन की गई है। एमडी इस्लाम ने ऐसे बहुत से वीडियोज पोस्ट किए हैं, जिसमें वो सुनील शेट्टी की स्टाइल में दिख रहे हैं. कभी वो सुनील शेट्टी की तरह चश्मा लगाए हुए दिखते हैं तो कभी उनकी तरह ही अटायर्स भी कैरी करते हैं और फिर उन्हीं के अंदाज को कॉपी करते हुए डायलॉग बोलते हैं।सुनील शेट्टी की कॉप करने वाले एमडी इस्लाम के इंस्टाग्राम पर 181 के फॉलोअर्स हैं। बहुत से फॉलोअर्स उन्हें अन्ना सर के नाम से ही बुलाते हैं। कुछ वीडियोज पर यूजर्स ने पोस्ट किया है कि ये सुनील शेट्टी के यंग अवतार नजर आते हैं. एक यूजर ने उन्हें गरीबों का सुनील शेट्टी भी बताया है. हालांकि कुछ यूजर्स ने ये भी लिखा है कि हमशक्लों के मामले में अब भी अजय देवगन ही सबसे आगे हैं।

खुला पत्र

देश का चौथा स्तंभ को बचाए कौन ?

» बचा लो चौथे स्तंभ को अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा है...जिम्मेदार लोगों से है अपील...

अम्बिकापुर,07 जुलाई 2024 (घटती-घटना)।. बात बिल्कुल सही है कि मीडिया देश की ज़रुरत है,बिना इसके हम स्वस्थ लोकतंत्र की कल्पना नहीं कर सकते हैं,संपादक, मालिक और पत्रकार,सभी एक ढर्रे पर चल रहे हैं,सभी बदलाव की बात करते हैं,मगर कोई बदलना ही नहीं चाहता है,देश का स्वघोषित चौथा स्तंभ डगमगा रहा है,अपने विचारों से,अपने कर्तव्यों से बचा लोज्अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा है यह कहना गलत नहीं होगा क्योंकि पहले के तीन स्तंभ भी चौथे स्तंभ के लिए गंभीर नहीं है। उन्हें लगता है कि चौथे स्तंभ की जरूरत ही नहीं है? समाचार-पत्र राजनीतिज्ञों और अन्य सत्ताधारियों का सशक्त उपकरण बन गया है,निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए उनका मनमाना प्रयोग करते हैं,सभी अपने अधिकारों की सीमा लांघते हैं मगर क्यों? हमने व हमारे अतीत ने इस बात को सच होते भी देखा है,याद किजिए वो दिन जब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था,तब अंग्रेजी हुकूमत के पांव उखाड़ने के लिए एकमात्र साधन अख़बार ही था,विश्व में अमेरिका और कई पश्चिमी देश ऐसे हैं,जहां पत्रकारिता स्वतंत्र है,भारत में भी प्रेस की अपनी भूमिका निभा रही है,हालांकि अन्य देशों की अपेक्षा हमारे देश में प्रेस के लिए कोई अलग से कानून नहीं हैं,हिन्दुस्तान में एक आम नागरिक को जो अधिकार दिया गया है,वही अधिकार प्रेस को भी दिया गया है,आर्टिकल 19(1) (ए) के अनुसार, हिन्दुस्तान में रहने वाले सभी नागरिकों को अभिव्यक्ति का अधिकार दिया गया है,मीडिया को भी इसी दायरे में रखा गया है,हम आज जिस मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं,वो सरकार और मीडिया है,सरकार के बिना मीडिया अधूरी है, और मीडिया के बिना सरकार,देश की समस्याओं को अख़बार या टीवी के माध्यम से मीडिया सरकार तक अपनी बात पहुंचाती है,देखा जाए,तो प्रेस की भूमिका जनप्रतिनिधि की होती है,कई बार ये प्रतिनिधि सीमा को लांघ जाते हैं,नाजी नेताओं ने ठीक ही कहा है कि यदि झूठ को दस या बीस बार बोला जाए,तो वह सच बन जाता है, समाचार पत्रों के संदर्भ में यह कथन सही उतरता है,आज समाचार पत्र राजनीतिज्ञों और अन्य सत्ताधारियों का सशक्त उपकरण बन गया है,वे अपने निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए उनका मनमाना प्रयोग करते हैं,सभी अपने अधिकारों की सीमा लांघते हैं मगर क्यों?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)